विषय : अर्थशास्त्र (030)

अंक योजना – हिन्दी माध्यम

अत्यंत गोपनीय

(प्रश्न पत्र कोड - 58/1/2)

(केवल आंतरिक एवं सीमित उपयोग हेतु)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 60 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) ● उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड –030)
[प्रश्न-पत्र कोड : 58/1/2]

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **(समष्टि अर्थशास्त्र)**	
1.	किसी अर्थव्यवस्था में जब, _____ पूर्ण रोज़गार के अनुरूप उत्पादन के स्तर को प्राप्त करने के लिए अपर्याप्त होती है, तो इस अंतर को अपस्फीतिकारी अंतराल कहा जाता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) **विकल्प:** (A) नियोजित समग्र माँग (B) वास्तविक समग्र माँग (C) नियोजित समग्र पूर्ति (D) वास्तविक समग्र पूर्ति **उत्तर. (A) नियोजित समग्र माँग**	**1**
2.	किसी अर्थव्यवस्था में _____ का अपवर्जन करने से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के मूल्य का अल्पांकलन हो सकता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें।) (i) वस्तु विनिमय लेनदेन (ii) परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदत्त सेवाएँ (iii) अवैध गतिविधियाँ (iv) परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास **विकल्प** : (A) (i) व (ii) (B) (ii) व (iii) (C) (iii) व (iv) (D) (i), (ii) व (iii) **उत्तर. (A) (i) व (ii)**	**1**
3.	पहचान करें कि, निम्नलिखित में से कौन सम स्तर आय पर सत्य है। (सही विकल्प का चयन करें।) **विकल्प :** (A) उपभोग वक्र का ढाल बचत वक्र का ढाल (B) औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) औसत बचत प्रवृत्ति (APS) (C) बचत वक्र का ढाल इकाई (1) (D) औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) = इकाई (1) **उत्तर. (D) औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) = इकाई (1)**	**1**
4.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : **कथन 1**: अंतिम वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं जो, सामान्यतः उत्पादन प्रक्रिया में अपनी पहचान खो देती हैं। **कथन 2**: अंतिम वस्तुएँ उपभोक्ता द्वारा उपभोग प्रक्रिया के दौरान रूपांतरित हो सकती हैं। उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें। **विकल्प :** (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है।**	**1**
5.	निम्नलिखित कथनों - अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :	

	अभिकथन (A): एकपक्षीय स्थानांतरण किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन के चालू खाते में दर्ज किए जाते हैं। **कारण (R):** पूँजी खाता उन लेन-देनों को अभिलेखित करता है, जो राष्ट्र की परिसंपत्तियों अथवा देनदारियों में परिवर्तन का कारण बनते हैं। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।**	1
6.	"भारतीय बैंकिंग प्रणाली, सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) वाणिज्यिक बैंकों की साख निर्माण क्षमता को नियंत्रित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि ______ (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें।) (A) यह सुनिश्चित करता है कि, सभी जमाओं को तरल परिसंपत्तियों में परिवर्तित कर दिया गया है। (B) इसमें बैंकों को जमाओं का एक निश्चित प्रतिशत तरल सम्पत्तियों के रूप में बनाए रखने की अनिवार्यता होती है। (C) यह ब्याज की वह अधिकतम सीमा निर्धारित करता है, जो बैंक ऋणों पर आरोपित कर सकते हैं। (D) बैंकों को उनकी कुल जमा राशि के एक विशिष्ट अनुपात से अधिक ऋण देने पर प्रतिबंध लगाता है। **उत्तर. B) इसमें बैंकों को जमाओं का एक निश्चित प्रतिशत तरल सम्पत्तियों के रूप में बनाए रखने की अनिवार्यता होती है।**	1
7.	एक अर्थव्यवस्था में, जनता के पास रखी गई मुद्रा, वाणिज्यिक बैंकों के पास शुद्ध माँग जमा व वाणिज्यिक बैंकों के पास शुद्ध सावधि जमा क्रमशः ₹ 1,42,000 करोड़, ₹ 22,000 करोड़ तथा ₹ 86,000 करोड़ है। मुद्रा आपूर्ति (M_1) का मूल्य ₹______ करोड़ होगा । (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें ।) **विकल्प :** (A) 2,50,000 (B) 86,000 (C) 1,64,000 (D) 1,42,000 **उत्तर. (C) 1,64,000**	1
8.	किसी द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में, कारक भुगतान का प्रवाह ______ से ______ की ओर जाता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें।) (A) फर्म, गृहस्थ (B) फर्म, सरकार (C) बैंक, गृहस्थ (D) गृहस्थ, फर्म **उत्तर. (A) फर्म, गृहस्थ**	1
9.	निम्नलिखित कथनों - अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें: **अभिकथन (A):** मुद्रा की प्रकृति नाशवान है तथा सामान्यतः यह किसी भी समय पर सभी द्वारा स्वीकृत की जाती है। **कारण (R)**: मुद्रा मूल्य के भंडार के रूप में कार्य करती है, जो कि व्यक्तियों को वर्तमान से भविष्य में क्रय शक्ति स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान करती है। **विकल्प:** (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	

	(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है।**	1
10.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें: **कथन 1**: मुद्रा का मूल्यह्रास एक आर्थिक कार्यवाही है जो कि, किसी राष्ट्र की सरकार द्वारा स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत की जाती है। **कथन 2**: नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत, विदेशी मुद्रा भंडार को कायम रखते हुए, अधिकारी विदेशी मुद्रा बाज़ार में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करते हैं। उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें : (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं।**	1
11.	"भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) अधिनियम, 1934 की धारा 20 व धारा 21 में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत, RBI को भारत सरकार के बैंकिंग परिचालन को संभालने का अधिकार है।" उपरोक्त कथन के आलोक में RBI के संकेतित कार्य की विस्तृत व्याख्या करें। **उत्तर. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है, उसके खातों का प्रबंधन करता है, जमा स्वीकार करता है तथा भुगतानों को संसाधित करता है। सरकार के लिए RBI द्वारा विनिमय, प्रेषण और विभिन्न बैंकिंग कार्यों की सुविधा प्रदान की जाती है।** **इसके अतिरिक्त, किसी भी वित्तीय संकट के दौरान, RBI सरकार को ऋण प्रदान करता है ताकि उसके सुचारू कामकाज को सुनिश्चित किया जा सके और राज्य को अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सहायता मिल सके। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
12. (A)	दो मित्र, देवान्शी और हर्षित इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि, किसी लॉटरी जीतने से प्राप्त पुरस्कार राशि को भारत की राष्ट्रीय आय में सम्मिलित किया जाना चाहिए अथवा नहीं । हर्षित का मानना था, इसे राष्ट्रीय आय में सम्मिलित किया जाना चाहिए जबकि देवान्शी उससे सहमत नहीं थी । दोनों छात्रों के अर्थशास्त्र शिक्षक के रूप में वैध तर्कों द्वारा सही उपचार बताएँ । **उत्तर. देवांशी सही है। लॉटरी जीतने से प्राप्त पुरस्कार राशि को भारत की राष्ट्रीय आय के अनुमान में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह एक अप्रत्याशित लाभ (windfall gain) है। यह किसी भी उत्पादक सेवा को प्रदान किए बिना उत्पन्न हुई आय है। राष्ट्रीय आय में केवल उन्हीं आय को शामिल किया जाता है जो वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन से उत्पन्न होती हैं। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **अथवा**	3
(B)	दो मित्र, मीरा व शाहिद, विगत कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि की तुलना कर रहे थे। मीरा ने वर्तमान बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि का उल्लेख किया, जबकि शाहिद ने मुद्रास्फीति के समायोजन के पश्चात्, सकल घरेलू उत्पाद (GDP) पर विचार करने पर बल दिया । दोनों में से कौन सा उपाय लोगों के कल्याण का सही चित्र प्रस्तुत करता है, इस पर दोनों की बहस अनिर्णीत रही । उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, वैध कारण सहित विस्तार से उल्लेख करें कि दोनों में से किस चर को कल्याण का बेहतर संकेतक माना जाता है तथा क्यों ?	

उत्तर. मुद्रास्फीति के समायोजन के उपरान्त सकल घरेलू उत्पाद (GDP) (वास्तविक GDP) वर्तमान कीमतों पर आधारित GDP (मौद्रिक GDP) की तुलना में आर्थिक कल्याण का एक बेहतर संकेतक है। 1

वास्तविक GDP किसी देश की आर्थिक वृद्धि का एक यथार्थ संकेतक है, क्योंकि इसमें केवल भौतिक उत्पादन में हुए परिवर्तन के कारण ही बदलाव आता है। इस प्रकार, यह कीमतों में होने वाले परिवर्तन के प्रभाव को समाप्त कर देता है, तथा अर्थव्यवस्था में वास्तविक वृद्धि को दर्शाता है। 1

इसके विपरीत, मौद्रिक GDP में परिवर्तन, उत्पादन या कीमतों या इन दोनों में परिवर्तन के कारण हो सकता है। 1

3

13. (A) सुश्री रीटा डी'कोस्टा, 2023 में आयकर आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुई थी। उन्हें अपनी पेंशन के अतिरिक्त विभिन्न स्रोतों से निम्नलिखित राशियाँ भी प्राप्त होती हैं:

- स्व-स्वामित्व वाले फ्लैट का किराया
- उनकी सावधि जमा से ब्याज
- विदेश में बसे उनके बच्चों द्वारा प्रेषित धनराशि

वैध कारणों द्वारा, रीटा की मासिक आय को 'कारक आय' व 'हस्तांतरण आय' में वर्गीकृत करें ।

उत्तर. कारक आय

- **स्व-स्वामित्व वाले फ्लैट का किराया** ½
- **उनकी सावधि जमा से ब्याज** ½
- **सेवा निवृत्ति पेंशन (स्थगित भुगतान)** ½

'हस्तांतरण आय'

- **विदेश में बसे उनके बच्चों द्वारा प्रेषित धनराशि** ½

कारक आय वह आय है जो उत्पादन के कारकों द्वारा अपनी सेवाएँ प्रदान करने के बदले अर्जित की जाती है। 1

हस्तांतरण आय वह आय है जिसके बदले में कोई कारक सेवा प्रदान नहीं की जाती। 1

अथवा **4**

(B) किसी काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिये मान लीजिये कि मात्र दो फर्म X और Y हैं, जिन सकल मूल्यवर्धन (GVA) बराबर है।

निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर फर्म X की घरेलू बिक्री का मूल्य अनुमानित कीजिए :

क्रम संख्या	**चर**	**राशि (₹ करोड़ में)**
(i)	फर्म Y के उत्पाद का मूल्य	1,400
(ii)	फर्म X द्वारा फर्म Y से किया गया क्रय	400
(iii)	फर्म X द्वारा किया गया निर्यात	200
(iv)	फर्म Y द्वारा फर्म X से किया गया क्रय	300
(v)	फर्म X के स्टॉक में वृद्धि	100
(vi)	स्थिर पूँजी का उपभोग	100

उत्तर. फर्म Y द्वारा सकल मूल्यवर्धन = (i) – (iv) ½

= 1,400 – 300

= ₹ 1,100 crore ½

फर्म X द्वारा सकल मूल्यवर्धन = फर्म Y द्वारा सकल मूल्यवर्धन = ₹ 1100 करोड़

	फर्म X की घरेलू बिक्री = फर्म X द्वारा सकल मूल्यवर्धन – (iii) – (v) + (ii) **= 1,100 – 200 – 100 + 400** **= ₹ 1,200 करोड़**	**1 ½** **1** **½**
		4
14.	निम्नलिखित चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : 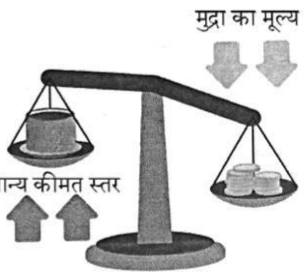 इंगित समष्टिगत अर्थशास्त्र संबंधी समस्या को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक द्वारा उठाए जा सकने वाले किन्हीं दो उपकरणों/उपायों की व्याख्या करें। **उत्तर. इंगित समष्टिगत अर्थशास्त्र संबंधी समस्या, अर्थात मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए, केंद्रीय बैंक निम्नलिखित उपायों का उपयोग कर सकता है:** • **रेपो दर : रेपो दर में वृद्धि से वाणिज्यिक बैंकों को साख दरें बढ़ाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे आम जनता के लिए ऋण महंगा हो जाएगा और लोग ऋण लेने से हतोत्साहित होंगे। इसके परिणामस्वरूप , समग्र मांग (Aggregate Demand) में कमी आएगी, जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की समस्या ठीक हो जाएगी।** • **खुले बाजार की क्रियाएँ : केंद्रीय बैंक खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री सकता है, जिससे वाणिज्यिक बैंकों के पास ऋण देने के लिए कोषों की उपलब्धता कम हो जाएगी। अतः , समग्र मांग में कमी हो जाएगी, जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति नियंत्रित होगी।**	 **2** **2**
	(चित्र की कोई अन्य वैध विवेचना तथा व्याख्या को अंक प्रदान किये जाएँ।)	**4**
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 14 के स्थान पर है : अल्प माँग की स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केन्द्रीय बैंक द्वारा उठाए जा सकने वाले किन्हीं दो उपायों का उल्लेख व व्याख्या करें। **उत्तर. अल्प माँग को नियंत्रित करने के लिए, केंद्रीय बैंक निम्नलिखित उपायों का उपयोग कर सकता है:** • **रेपो दर : रेपो दर में कमी होने से वाणिज्यिक बैंक अपनी साख दरें घटाने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे आम जनता के लिए ऋण सस्ता हो जाएगा और लोग अधिक ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे । इसके परिणामस्वरूप, समग्र मांग (Aggregate Demand) में वृद्धि होगी, जिससे अर्थव्यवस्था में अल्प मांग की समस्या नियंत्रित होगी।** • **खुले बाजार की क्रियाएँ : केंद्रीय बैंक खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय सकता है, जिससे वाणिज्यिक बैंकों के पास ऋण देने के लिए कोषों की उपलब्धता में वृद्धि हो जाएगी। अतः, समग्र मांग में वृद्धि होगी, जिससे अर्थव्यवस्था में अल्प मांग की समस्या नियंत्रित हो जाएगी। (कोई अन्य वैध उपाय को अंक प्रदान किये जाएँ।)**	 **2** **2**
		4
15.	राष्ट्र जीटा (Zeta) के एक उद्यमी माईकल ने अपने कपड़ा निर्माण व्यवसाय का विस्तार करने के लिए एक विदेशी बैंक से $ 5 मिलियन का ऋण लिया था। उसी वित्त वर्ष में, राष्ट्र जीटा (Zeta) की सरकार ने प्रचलित भुगतान संतुलन (BoP) संकट का प्रबंधन करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान से $ 30 बिलियन का ऋण प्राप्त किया था।	

<table>
<tr><td></td><td>अर्थशास्त्र के शोध छात्र सैमुअल ने इन दोनों लेनदेन को राष्ट्र जीटा (Zeta) के भुगतान संतुलन (BoP) खाते में स्वायत्त लेन-देन के रूप में वर्गीकृत किया ।
क्या आप सैमुअल द्वारा किए गए वर्गीकरण से सहमत हैं? अपने उत्तर की उचित कारणों से पुष्टि करें।
उत्तर. नहीं। इस मामले में जीटा की सरकार द्वारा लिए गए ऋण को एक समायोजक लेन-देन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। ऐसे लेन-देन वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन होते हैं, जो (सक्षम अधिकारियों द्वारा) भुगतान संतुलन में अधिशेष या घाटे को पूरा करने के लिए किए जाते हैं और किसी भी आर्थिक उद्देश्य से स्वतंत्र होते हैं।
यद्यपि, माइकल द्वारा लिए गए ऋण को एक स्वायत्त लेन-देन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। ऐसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन, भुगतान संतुलन (BoP) की स्थिति से स्वतंत्र होते हैं और सामान्यतः किसी आर्थिक उद्देश्य के साथ किए जाते हैं।</td><td>2

2</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>4</td></tr>
<tr><td>16.</td><td>निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें :
आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकारी बजट अनुमानों में यह इंगित किया गया है कि, सकल प्रत्यक्ष कर राजस्व में 12.7% की वृद्धि होगी, जबकि सकल अप्रत्यक्ष कर का संग्रह वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 8.3% से वृद्धि होने की संभावना है।
प्रत्यक्ष करों में आयकर व निगम कर सम्मिलित होते हैं, जो कि गृहस्थों व फर्मों द्वारा अर्जित आय व लाभको दर्शाते हैं। ये सरकार की राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अप्रत्यक्ष करों में वस्तु व सेवा कर (GST), सीमा शुल्क व अन्य लेन-देनों पर आधारित शुल्क सम्मिलित होते हैं।
प्रत्यक्ष करों के लिए अनुमानित उच्च वृद्धि दर बेहतर अनुपालन व सुधारों के माध्यम से कर उत्प्लावन (tax buoyancy) की वृद्धि की दिशा में एक कदम है। दूसरी ओर, अप्रत्यक्ष करों को उपभोग प्रवृत्तियों तथा वस्तु व सेवा कर (GST) प्रशासन में सुधार से लाभान्वित होने की उम्मीद है। एक संतुलित कर रणनीति का उद्देश्य राजकोषीय सुदृढ़ीकरण व सतत् आर्थिक विकास को समर्थन देते हुए संसाधन जुटाना है।
(i) उपर्युक्त गद्य में इंगित दो प्रकार के करों के मध्य उपयुक्त उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट करें।
उत्तर. उपर्युक्त गद्य में इंगित दो प्रकार के कर हैं: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर हैं।
प्रत्यक्ष कर वे कर हैं जिनका भार और प्रभाव एक ही व्यक्ति/ संस्था पर पड़ता है। दूसरे शब्दों में, प्रत्यक्ष करों के भुगतान की देयता को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है।
उदाहरण के लिए: आयकर आदि।
जबकि;
अप्रत्यक्ष कर वे कर हैं जिनका भार और प्रभाव विभिन्न व्यक्तियों/ संस्थाओं पर पड़ सकता है। दूसरे शब्दों में, अप्रत्यक्ष करों के भुगतान की देयता को स्थानांतरित किया जा सकता है।
उदाहरण के लिए: वस्तु एवं सेवा कर (GST) आदि।
(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)
(ii) सरकार द्वारा दिए गए कर अनुमानों के संभावित परिणामों की व्याख्या करें।
उत्तर. कर राजस्व में अनुमानित वृद्धि से सरकार का राजस्व आधार सुदृढ़ होने की संभावना होती है। अतः, इस संतुलित कर रणनीति से संसाधनों को जुटाने, राजकोषीय मजबूती को समर्थन देने और सतत आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने में सहायता मिल सकती है।</td><td>1 ½
½
1 ½
½

2</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>6</td></tr>
<tr><td>17.
(A)</td><td>एक अर्थव्यवस्था की आय ₹ 40,000 करोड़ से बढ़कर ₹ 1,00,000 करोड़ हो गई ।अर्थव्यवस्था की बचत ₹ 4,000 करोड़ से ₹ 20,000 करोड़ हो गई ।
(i) आय वृद्धि पूर्व व पश्चात् उनकी औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) व औसत बचत प्रवृत्ति (APS) की गणना करें।
उत्तर.</td><td></td></tr>
</table>

आय (Y) (₹ करोड़ में)	बचत (S) (₹ करोड़ में)	उपभोग (C=Y - S) (₹ करोड़ में)	APC (C/Y)	APS (S/Y)	
40,000	4,000	36,000	$\frac{36000}{40000}$ = 0.9	$\frac{4000}{40000}$ = 0.1	1 + 1
1,00,000	20,000	80,000	$\frac{80000}{100000}$ = 0.8	$\frac{20000}{100000}$ = 0.2	1 + 1

(कोई अन्य वैध तथा वैकल्पिक हल को अंक प्रदान किये जाएँ)

(ii) आय वृद्धि पर औसत बचत प्रवृत्ति (APS) के व्यवहार के बारे में क्या उपयुक्त निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

उत्तर . दिए गए आंकड़ों से, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आय के ₹ 40,000 करोड़ से ₹ 1,00,000 करोड़ होने पर, औसत बचत प्रवृत्ति (APS) का मूल्य 0.1 से बढ़कर 0.2 हो गया। उपरोक्त गणना आय के स्तर तथा APS के मध्य प्रत्यक्ष संबंध का प्रमाण देती है। 2

6

अथवा

(B) "एक काल्पनिक राष्ट्र के व्यय पैटर्न के विश्लेषण से संबंधित एक अध्ययन के अंतर्गत यह पाया गया कि शून्य आय वाले परिवार भी बुनियादी आवश्यकताओं का उपभोग करने में कामयाब रहे ।

जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई वैसे-वैसे उनके उपभोग में भी वृद्धि हुई, परन्तु आय जितनी तीव्रता से नहीं ।"

उपरोक्त गद्य व सामान्य ज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

(i) प्रथम पैरा में दर्शाये गये उपभोग के प्रकार की पहचान व व्याख्या करें।

उत्तर. प्रथम पैरा में दर्शाया गया उपभोग 'स्वायत्त उपभोग' है। 1

स्वायत्त उपभोग आय के स्तर से स्वतंत्र होता है। स्वायत्त उपभोग उपभोग के उस न्यूनतम स्तर को दर्शाता है, जो जीवन निर्वाह के लिए अनिवार्य है। 2

(ii) सकारण बताए कि, समग्र माँग (AD) वक्र सकारात्मक रूप से ढालू क्यों होता है।

उत्तर. समग्र माँग (AD) उपभोग और निवेश का योग होती है। यह मानते हुए की निवेश स्वायत्त है, जब आय बढ़ती है, तो उपभोग में भी वृद्धि होती है, जिससे समग्र माँग में वृद्धि होती है। अतः, समग्र माँग वक्र सकारात्मक रूप से ढालू होता है, जो आय और समग्र माँग के बीच प्रत्यक्ष संबंध को दर्शाता है। 3

6

खण्ड - ख
(भारतीय आर्थिक विकास)

18. निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें :

"विगत कुछ समयावधि में, भारत सरकार ने प्राथमिक व द्वितीयक दोनों शेयर बाजारों सहित पूँजी बाजार में अधिकाधिक सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय आरंभ किए हैं।"

उपरोक्त सुधार किस क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं ? (सही विकल्प का चयन करें।)

विकल्प :

(A) औद्योगिक (B) वित्तीय

(C) कर (D) विदेशी व्यापार

उत्तर. (B) वित्तीय 1

19. वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें राष्ट्रों ने _____ की प्रतिबद्धता जताई थी । (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।)

विकल्प :

(A) जैव-विविधता के नुकसान को कम करने

(B) वैश्विक ऊष्णता के प्रभाव को कम करने

(C) ओजोन परत को क्लोरोफ्लोरो कार्बन के कारण क्षरण से बचाने

(D) वनों की कटाई के प्रभाव को कम करने

उत्तर. (C) ओजोन परत को क्लोरोफ्लोरो कार्बन के कारण क्षरण से बचाने 1

20. निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

अभिकथन (A): कृषि उन्नति की तुलना में ग्रामीण विकास की अवधारणा में कहीं अधिक व्यापक वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) सम्मिलित है।

कारण (R) : कृषि क्षेत्र में सरकारी हस्तक्षेप अनिवार्य है क्योंकि, कृषि ग्रामीण जनसंख्या के लिए जीविका का प्राथमिक साधन है।

विकल्प :

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है।

(D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है।

उत्तर. (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। 1

21. पहचान करें कि, निम्नलिखित में से कौन भारत के श्रम बाज़ार में उभरते रोजगार प्रवृत्ति (ट्रेन्ड) के स्वरूप (पैटर्न) से जुड़े एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालता है।

विकल्प :

(A) स्थायी वेतनभोगी कर्मचारियों की हिस्सेदारी में उत्तरोत्तर वृद्धि

(B) आकस्मिक रूप से नियोजित व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि

(C) सभी क्षेत्रों में स्वरोज़गार के अवसरों का विस्तार

(D) औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि

उत्तर. (B) आकस्मिक रूप से नियोजित व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि 1

22. कॉलम-1 में दी गई मदों को कॉलम-II में दिए गए उनके अर्थों से सुमेलित करें :

(सही विकल्प का चयन करें)

	कॉलम-I		**कॉलम-II**
(i)	मौसमी बेरोज़गारी	(a)	ऐसे निजी उद्यम जिसमें 10 से कम कर्मचारी कार्यरत हैं।
(ii)	स्व-रोजगार	(b)	वे व्यक्ति जो अपनी जीविका चलाने के लिए स्वयं के संसाधनों का उपयोग करते हैं।
(iii)	असंगठित क्षेत्र	(c)	कुछ विशेष मौसमों में होने वाली बेरोज़गारी
(iv)	प्रच्छन्न बेरोजगारी	(d)	शून्य सीमांत उत्पादकता

विकल्प :

(A) (i)-(d); (ii)-(a); (iii)-(b); (iv)-(c)

(B) (i)-(b); (ii)-(a); (iii)-(c); (iv)-(d)

	(C) (1)-(c); (ii)-(b); (iii)-(a); (iv)-(d) (D) (i)-(c); (ii)-(d); (iii)-(a); (iv)-(b) **उत्तर. (C) (1)-(c); (ii)-(b); (iii)-(a); (iv)-(d)**	**1**
23.	निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। नीचे दिए गए विकल्पों में से ही विकल्प का चयन करें : **अभिकथन (A):** भारत सरकार ने कृषि उत्पादों के लिए पारदर्शी व सुशासित विनियमित विपणन स्थिति सुनिश्चित करने के लिए बाज़ारों के विनियमन का उपाय अपनाया था । **कारण (R)** : बाज़ारों के विनियमन से पारदर्शी मूल्य निर्धारण, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं व कृषि विपणन में शोषण के विरुद्ध कृषकों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित की गई थी। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। व्याख्या नहीं है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही (C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।**	**1**
24.	चीन के आर्थिक विकास इतिहास में निम्नलिखित घटनाओं को सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें तथा उपयुक्त विकल्प का चयन करें : I. महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति II. ग्रेट लीप फॉरवर्ड III. आर्थिक सुधारों का आरंभ IV. प्रथम पंचवर्षीय योजना का शुभारंभ विकल्प : (A) II, IV, III, I (B) IV, II, I, III (C) II, IV, I, III (D) IV, I, II, III **उत्तर. (B) IV, II, I, III**	**1**
25.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : **कथन 1**: ब्रिटिश शासन के दौरान, निर्यात अधिशेष का उपयोग ब्रिटेन से अदृश्य मदों के आयात करने के लिए किया गया था। **कथन 2**: भारतीयों ने ब्रिटेन में औपनिवेशिक सरकार द्वारा स्थापित कार्यालय के व्यय का भुगतान भी किया था । उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें : (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं।**	**1**
26.	निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें : **अभिकथन (A)** : शिक्षा, ज्ञान व दक्षताओं को आत्मसात् करने की सुविधा प्रदान करती है। यह आविष्कारशील क्षमताओं को भी प्रोत्साहित करती है, तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने की योग्यता में वृद्धि करती है। **कारण (R)** : शिक्षा संज्ञानात्मक दृष्टिकोण को परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा किसी देश की आर्थिक उन्नति के लिए उत्प्रेरक का कार्य करती है।	

	विकल्प : (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परन्तु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।**	1
27.	"धारणीय विकास से तात्पर्य उस विकास से है जो कि, वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखता है।" उपर्युक्त परिभाषा _____ द्वारा दी गई है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) पर्यावरण व विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (B) पर्यावरण व विकास पर संयुक्त राष्ट्र समिति (C) पर्यावरण संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र समिति (D) पर्यावरण संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन **उत्तर. (A) पर्यावरण व विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन**	1
28. (A)	29 जून, 2025 को प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने साझा किया कि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत को ट्रेकोमा (नेत्रों से संबंधित एक रोग) मुक्त घोषित किया है। यह स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, जागरूकता व चिकित्सा अभिगम में निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उपर्युक्त कथन के आलोक में, बताएँ कि स्वास्थ्य सेवा में निवेश किसी राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में किस प्रकार योगदान देती है। अपने उत्तर के समर्थन में कारण दें। **उत्तर. स्वास्थ्य सेवा में निवेश एक स्वस्थ कार्यबल की उपलब्धता सुनिश्चित करके देश के विकास में योगदान देता है। सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रावधान से स्वस्थ श्रम बल की आपूर्ति बढ़ जाती है। स्वस्थ व्यक्ति की उत्पादकता अस्वस्थ व्यक्ति की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक होती है। इस प्रकार, बेहतर स्वास्थ्य सेवा श्रम उत्पादकता को बढ़ाती है, मानव पूंजी निर्माण को बढ़ावा देती है और अंततः देश के आर्थिक विकास में सहायता करती है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
	अथवा	3
(B)	"औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार, अनौपचारिक क्षेत्र में नौकरियों की तुलना में बेहतर आय व सामाजिक लाभ सुनिश्चित करता है।" वैध कारण व उदाहरण के साथ उपर्युक्त कथन का समर्थन या खंडन करें । **उत्तर. दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों को उचित वेतन और अन्य सामाजिक सुरक्षा उपाय जैसे पेंशन, भविष्य निधि आदि प्राप्त करने का अधिकार होता है ।** **जबकि, अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को नियमित आय और सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। उन्हें बिना किसी क्षतिपूर्ति के निष्कासित किया जा सकता है।** **उदाहरण के लिए, एक सरकारी कर्मचारी को पेंशन के साथ नियमित वेतन और सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त होते हैं, जबकि एक दैनिक वेतनभोगी बिना सामाजिक सुरक्षा लाभ के काम करता है। (कोई अन्य वैध उदाहरण को अंक प्रदान किये जाएँ ।)**	1 1 1
		3
29.	"1970 के दशक के बाद के वर्षों में भारत की अपेक्षा, चीन की जनसंख्या वृद्धि दर में तीव्र कमी आयी थी।" इस स्थिति के कारणों व प्रभावों की व्याख्या करें। **उत्तर. 1970 के दशक के उत्तरार्ध में, चीन में, सरकार द्वारा आरम्भ की गई एक-संतान नीति के कार्यान्वयन के कारण, भारत की तुलना में अपनी जनसंख्या वृद्धि दर में तेज गिरावट का अनुभव किया।**	1 ½

	इस नीतिगत उपाय के कारण जनसँख्या वृद्ध होती गयी, जिसमें युवाओं की तुलना में बुजुर्गों का अनुपात अधिक हो गया है।	**1 ½**
		3
30.	"स्वतंत्रता के समय, भारत व पाकिस्तान दोनों को समान औपनिवेशिक आर्थिक संरचनाएँ विरासत में मिली थीं। दोनों राष्ट्रों ने आर्थिक नियोजन की कई एक जैसी रणनीतियाँ अपनाई थीं।" भारत व पाकिस्तान के विकास पथ में किन्हीं दो समानताओं की व्याख्या कीजिए। **उत्तर. भारत और पाकिस्तान द्वारा अपनाई गई ऐसी ही दो विकास कार्यनीतियां हैं:** • **दोनों देशों ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को शामिल करते हुए मिश्रित आर्थिक प्रणाली के मार्ग का अनुसरण किया।** • **भारत और पाकिस्तान ने अपने घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए आयात प्रतिस्थापन नीति अपनाई।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उपाय के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	 **2** **2**
		4
31.	(A) प्रच्छन्न बेरोज़गारी के अर्थ का उल्लेख करें । **उत्तर. प्रच्छन्न बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करती है जब व्यक्ति नियोजित प्रतीत होता है, परन्तु वास्तव में उत्पादन में योगदान नहीं कर रहा है अर्थात, उसकी सीमांत उत्पादकता शून्य होती है।** (B) 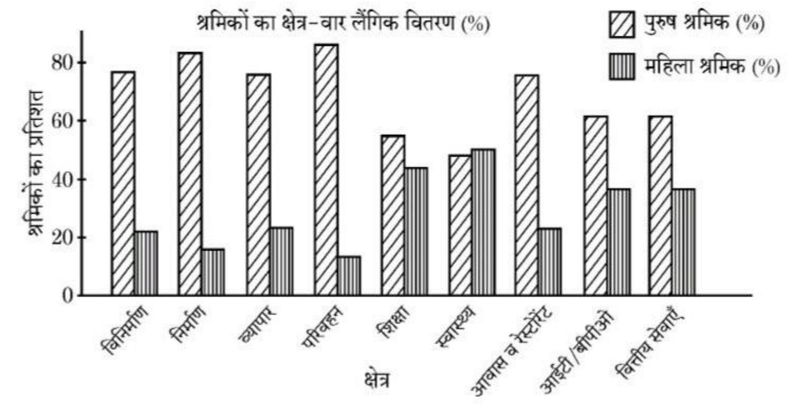 उपर्युक्त चार्ट के आलोक में, श्रमिकों के लिंगाधार क्षेत्रीय वितरण का विश्लेषण करें । **उत्तर. दिया गया चार्ट श्रमिकों के लिंगाधार क्षेत्रीय वितरण के संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डालता है:** • **विनिर्माण, निर्माण, व्यापार परिवहन आदि जैसे अधिकांश क्षेत्रों में पुरुष श्रमिकों का वर्चस्व है।** • **निर्माण और परिवहन में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है जो लैंगिक असमानता को दर्शाती है।** • **शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र एक संतुलित वितरण दिखाते हैं, जिसमें महिला भागीदारी अन्य क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)** **नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 31 (B) के स्थान पर है:** शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में अधिक महिलाओं के कार्यरत होने के पीछे के किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट करें । **उत्तर. शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में अधिक महिलाओं के कार्यरत होने के पीछे के कारण हैं:**	 **1** **1** **1** **1**

	• **ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाएं काम करने के लिए विवश होती हैं क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर कर सकती है।** • **इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों में, जहां पुरुष उच्च आय अर्जित करने में सक्षम हैं, परिवार महिला सदस्यों को नौकरी लेने से हतोत्साहित करते हैं।**	1 ½ 1 ½
		4
32. (A)	ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की जनसांख्यिकीय रूपरेखा में पाई गई किन्हीं दो विशेषताओं को बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए । **उत्तर. ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की जनसांख्यिकीय स्थिति (demographic profile) में देखी गई दो मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित थीं:** • **साक्षरता की निम्न दर: शैक्षिक विकास की कमी और लोगों के बीच शिक्षा तक सीमित पहुँच के कारण, कुल साक्षरता दर बहुत कम थी, जिसमें महिला साक्षरता दर और भी कम थी।** • **उच्च मृत्यु दर: स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव और व्यापक जनरोग के कारण मृत्यु दर बहुत अधिक थी। शिशु मृत्यु दर विशेष रूप से चिंताजनक थी।** **(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी तद्नुसार अंक प्रदान किए जाए)**	½ + 1 ½ ½ + 1 ½
	अथवा	**4**
(B)	"अंग्रेजों ने भारत में संरचनात्मक ढाँचे के विकास की अपनी नीतियों के माध्यम से अपने निहित स्वार्थ को प्राप्त करने का प्रयास किया था।" क्या आप उपर्युक्त कथन से सहमत है? अपने उत्तर को उचित स्पष्टीकरण द्वारा प्रमाणित करें। **उत्तर. हां। अंग्रेजों ने भारत में संरचनात्मक ढाँचे के विकास की अपनी नीतियों के माध्यम से अपने निहित स्वार्थ को प्राप्त करने का प्रयास किया था।** **सड़कों और रेलवे का निर्माण मुख्य रूप से भारत के भीतर सेना के आवागमन तथा देश के भीतरी भागों से कच्चे माल को पत्तन तक पहुंचने में सहायता करने किया गया। विद्युत् तार जैसे संचार उपकरण देश भर में प्रशासनिक नियंत्रण को मज़बूत करने तथा कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुरू किए गए थे।** **(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी तद्नुसार अंक प्रदान किए जाए)**	**4**
33.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : सभी के लिए समावेशी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुनिश्चितता हेतु, भारत सरकार ने कई महत्त्वपूर्ण योजनाएँ प्रारंभ की हैं, जिनका उद्देश्य पहुँच, समानता व शिक्षण अधिगमों में सुधार लाना है, विशेष रूप से वंचित समूहों में । 4 अगस्त, 2009 को भारतीय संसद द्वारा पारित शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 6-14 वर्ष की आयु के सभी बालक-बालिकाओं को प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक, निकटवर्ती विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त होने की गारंटी प्रदान करता है। ऐसी ही एक अन्य प्रमुख पहल, सर्व शिक्षा अभियान (SSA) भी है। इसे 2001 में, प्रारंभ किया गया था। यह प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए भारत के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। 1 जुलाई, 2015 को प्रारंभ किया गया डिजीटल इंडिया अभियान, विशेष रूप से ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में, मोबाइल व इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार करके, भारत को डिजीटल रूप से सशक्त समाज में बदलने पर केंद्रित है। यह पहल डिजीटल शिक्षा व शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच का समर्थन करती है। इन सभी पहलों के माध्यम से, सरकार सभी बच्चों के लिए एकसमान, सुलभ व गुणवत्ता संचालित शैक्षिक वातावरण बनाने का प्रयास करती है, जो कि राष्ट्रीय विकास की एक मजबूत नींव रखता है। उपरोक्त गद्य व सामान्य ज्ञान के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें:	

	(i) पहचानिये कि, कौन सा कानून 14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा की गारंटी प्रदान करता है ? समझाइए कि, यह किस प्रकार शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने में सहायक है। **उत्तर. शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009, 14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देने वाला कानून है।** **यह कानून, 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बालक तक, बिना किसी वित्तीय बोझ के, स्कूली शिक्षा की पहुँच को सुनिश्चित करता है। यह आस-पड़ोस के क्षेत्रों में स्कूली सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे शिक्षा प्राप्त करना सुलभ व सरल हो जाता है। यह वंचित समूहों के बच्चों को समावेशित करने में सहायता करता है और यह सुनिश्चित करता है कि सभी बच्चे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करें।** (ii) आपके मत में, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि ने भारत के सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान प्रदान किया है? अपने उत्तर के समर्थन में उचित तर्क प्रस्तुत करें । **उत्तर. शिक्षा पर सरकारी व्यय में वृद्धि ने भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है, विशेष रूप से कमजोर वर्गों के लिए, जिससे समानता को प्रोत्साहन मिला है। शिक्षा ने कौशल और ज्ञान में सुधार किया है, जिससे बेहतर रोज़गार के अवसर और उच्च उत्पादकता प्राप्त हुई है। इसने लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश के समग्र विकास में सहायता की है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	1 2 3
		6
34. (A)	(i) 1991 के आर्थिक सुधारों के दौरान भारत सरकार द्वारा वित्तीय क्षेत्र में सुधार लागू करने के किन्हीं दो उद्देश्यों पर चर्चा कीजिए । **उत्तर. 1991 के आर्थिक सुधारों के दौरान, भारत सरकार ने वित्तीय क्षेत्र के सुधारों (Financial Sector reforms) को लागू करके निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा:** • **RBI की भूमिका को 'नियंत्रक' से बदलकर 'सहायक' बनाना: इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वित्तीय क्षेत्र के पास स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए अधिक स्वायत्तता हो।** • **निजी क्षेत्र के बैंकों का उदय: इन नीतिगत परिवर्तनों के कारण निजी क्षेत्र के बैंकों की स्थापना हुई, जिनमें भारतीय और विदेशी दोनों प्रकार के बैंक शामिल थे।** (ii) बैंगलोर के एक IT उद्यमी श्रीमान रवि ने यह अनुभव किया कि कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ सॉफ्टवेयर विकास, ग्राहक सहायता व डेटा प्रबंधन जैसी सेवाओं के लिए भारत को अपने बाह्यप्रापण (Outsourcing) केन्द्र के रूप में पसंद करती हैं। उनकी मित्र प्रिया का मानना है कि, ऐसा भारतीय अर्थव्यवस्था के कुछ अंतर्निहित लाभों के कारण है। आपकी राय में, भारत को एक पसंदीदा बाह्यप्रापण गंतव्य बनाने वाले किन्हीं दो कारकों का उल्लेख और उसकी व्याख्या कीजिए। **उत्तर. भारत के एक पसंदीदा बाह्यप्रापण गंतव्य के रूप में उभरने के कारक हैं :** • **संचार साधनों तथा सूचना प्रौद्योगिकी का विकास: संचार के तीव्र साधनों विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी के विकास में वृद्धि।** • **कुशल श्रमशक्ति की उपलब्धता: अपेक्षाकृत मितव्ययी लागत पर कुशल श्रमशक्ति की उपलब्धता ने भारत को बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNC) के लिए एक अग्रणी बाह्यप्रापण केंद्र बना दिया है, जो अपनी सेवाओं को भारत से प्राप्त कर रही हैं।**	1 ½ 1 ½ ½ + 1 ½ + 1
	अथवा	**6**

(B)	(i) "यद्यपि उपदान कृषकों को आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु साथ ही वे सरकार के महत्त्वपूर्ण संसाधनों पर राजकोषीय दबाव भी डालते हैं।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों द्वारा औचित्य सिद्ध करें। **उत्तर. कृषकों को आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में उपदान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि छोटे और सीमांत किसान बिना उपदान के महंगे कृषि आगत (जैसे बीज और उर्वरक) पर व्यय करने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। यद्यपि, उपदान सरकार पर भारी राजकोषीय दबाव भी डालता है। उपदान पर किया जाने वाला विशाल व्यय, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी अन्य विकासात्मक गतिविधियों के लिए उपलब्ध संसाधनों को पथांतर कर देता है।**	**3**
	(ii) "किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की रणनीतिक बिक्री और उसकी इक्विटी (share) की अल्पमत बिक्री दोनों ही विनिवेश के स्थापित साधन हैं।" दिए गए कथन का वैध तर्कों के साथ बचाव या खंडन करें। **उत्तर. दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। रणनीतिक बिक्री और अल्पमत बिक्री दोनों ही सरकार द्वारा अपनाये गए विनिवेश के उपाय हैं। रणनीतिक बिक्री में एक निजी इकाई को सार्वजनिक उपक्रम का प्रबंधन उसके नियंत्रण सहित स्वामित्व का एक महत्वपूर्ण अंश हस्तांतरित करना शामिल है। अल्पमत बिक्री का अर्थ है शेयरों के एक सीमित अंश का विक्रय जबकि उपक्रम पर सरकार का नियंत्रण बना रहता है। दोनों ही विनिवेश के रूप हैं, जो सरकारी स्वामित्व को कम करते हैं और निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे बेहतर दक्षता और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का बेहतर प्रदर्शन होता है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**3**
		6

* * *